झांसी, लखनऊ, आगरा, गुना, सतना, रीवा, भोपाल व ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

स्वदेश ग्वालियर समूह का स्वर्ण जयंती वर्ष

www. swadeshnews.in

50 वर्षों की सर्वोत्तम यात्रा 1971 स्वदेश ग्वालियर समूह 2021

स्वदेश

उत्साह सबकुछ है। ये सितार के तार की तरह कसा और वाईब्रेट करता हुआ होना चाहिए। • पेले

• झांसी • रविवार 20 जून 2021, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष-10 • संवत् 2078, • युगाब्द 5123 • वर्ष : 22 • अंक : 348 • मूल्य 3.00 रु. • पृष्ठ 8

कृषिवानिकी संस्थान को मिला उत्कृष्ट कृषि संस्थान पुरस्कार

झांसी। दिनाँक 19 जून 2021 को चेन्नई स्थित पर्ल फाउंडेशन द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में झाँसी के केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान को वर्ष 2020 का देश का उत्कृष्ट कृषि संस्थान का पुरस्कार मिला है। पर्ल फाउंडेशन शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए एक नींव का कार्य करता है, जो मानव संसाधनों और युवा छात्रों को सक्रिय और रचनात्मक दृष्टि, दूसरों के लिए समझ और करूणा की भावना विकसित कर एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाता है। हर वर्ष यह फाउंडेशन कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानवता के विविध क्षेत्रों में उनके मेधावी योगदान के आधार पर विभिन्न व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित करता है। कृषिवानिकी संस्थान को यह पुरस्कार कार्यक्रम अध्यक्ष बी पगुलेंधी, न्यायमूर्ति मद्रास हाई कोर्ट के हाथों द्वारा ऑनलाइन कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम को प्रदान किया गया। संस्थान को इस उपलब्धि के साथ-साथ अन्य उपलब्धियां भी मिली है जिसमें संस्थान द्वारा संचालित अखिल भारतीय कृषिवानिकी समन्वित परियोजना को भी देश की उत्कृष्ट अखिल भारतीय कृषि समन्वित परियोजना का पुरस्कार मिला है और संस्थान से जुड़े झांसी के 2 किसान सुरेंद्र सिंह यादव और महेंद्र यादव तथा अखिल भारतीय कृषि समन्वित परियोजना समन्वय केन्द्र कट्टुपक्कम के किसान पी. गांधी को भी पुरस्कृत किया गया। गाँव लुधियायी के सुरेंद्र सिंह यादव को उत्कृष्ट जैविक खेती पुरस्कार मिला है। सुरेंद्र सिंह यादव कृषिवानिकी संस्थान से तकनीकी सहयोग लेकर अपने खेत पर पेड़ों के साथ-साथ जैविक खेती करना प्रारंभ किया और वर्तमान में सुरेंद्र यादव चना, गेहूं, बेर, अमरूद, इत्यादि जैविक विधि से उत्पादन कर रहे हैं। वही गाँव परासाई के महेंद्र सिंह यादव को अभिनव कृषक पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार महेंद्र सिंह को अपने खेत पर वैज्ञानिक विधि से अमरूद और सागौन आधारित कृषि वानिकी पद्धति अपनाने के लिए दिया गया । पी. गांधी को कृषिवानिकी के माध्यम से विविध कृषि के लिए पुरस्कार मिला है। संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरुणाचलम ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के समय में कृषिवानिकी ही टिकाऊ उत्पादन दे सकती है और किसानों की आमदनी बढ़ा सकती है। इस हेतु कृषि वानिकी संस्थान निरंतर शोध कार्यों के माध्यम से किसानों की आमदनी बढ़ाने हेतु प्रयास कर रहा है।

1 2 3 3 4 5 6 7 8 9 0 1019 30 2 7 18 40 20221 94150301634 2022

आज

बुन्देलखण्ड प्लस

कानपुर २० जून २०२१ ६

कृषिवानिकी संस्थान को मिला उत्कृष्ट कृषि संस्थान पुरस्कार

(आज समाचार सेवा)

झांसी, १९ जून। चेन्नई स्थित पर्ल फाउंडेशन द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में झांसी के केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान को वर्ष 2020 का देश का उत्कृष्ट कृषि संस्थान का पुरस्कार मिला है। पर्ल फाउंडेशन शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए एक नींव का कार्य करता है, जो मानव संसाधनों और युवा छात्रों को सक्रिय और रचनात्मक दृष्टि, दूसरों के लिए समझ और करूणा की भावना विकसित कर एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाता है। हर वर्ष यह फाउंडेशन कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानवता के विविध क्षेत्रों में उनके मेधावी योगदान के आधार पर विभिन्न व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित करता है। कृषिवानिकी संस्थान को यह पुरस्कार कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम को प्रदान किया गया। संस्थान को इस उपलब्धि के साथ-साथ अन्य उपलब्धियां भी मिली है जिसमें संस्थान द्वारा संचालित अखिल भारतीय कृषिवानिकी समन्वित परियोजना को भी देश की उत्कृष्ट अखिल भारतीय कृषि समन्वित परियोजना का पुरस्कार मिला है और संस्थान से जुड़े झांसी के 2 किसान सुरेंद्र सिंह यादव और महेंद्र यादव तथा अखिल भारतीय कृषि समन्वित परियोजना समन्वय केन्द्र कट्टुपक्कम के किसान पी. गांधी को भी पुरस्कृत किया गया। गाँव लुधियायी के सुरेंद्र सिंह यादव को उत्कृष्ट जैविक खेती पुरस्कार मिला है। सुरेंद्र सिंह यादव कृषिवानिकी संस्थान से तकनीकी सहयोग लेकर अपने खेत पर पेड़ों के साथ-साथ जैविक खेती करना प्रारंभ किया और वर्तमान में सुरेंद्र यादव चना, गेहूं, बेर, अमरूद, इत्यादि जैविक विधि से उत्पादन कर रहे हैं। वही गाँव परासाई के महेंद्र सिंह यादव को अभिनव कृषक पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार महेंद्र सिंह को अपने खेत पर वैज्ञानिक विधि से अमरूद और सागौन आधारित कृषि वानिकी पद्धति अपनाने के लिए दिया गया । श्री पी. गांधी को कृषिवानिकी के माध्यम से विविध कृषि के लिए पुरस्कार मिला है। संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरुणाचलम ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के समय में कृषिवानिकी ही टिकाऊ उत्पादन दे सकती है और किसानों की आमदनी बढ़ा सकती है। इस हेतु कृषि वानिकी संस्थान निरंतर शोध कार्यों के माध्यम से किसानों की आमदनी बढ़ाने हेतु प्रयास कर रहा है। निदेशक ने संस्थान को मिली इस उपलब्धि के लिए डॉ. त्रिलोचन महापात्र, महानिदेशक एवं डॉ. एस. के. चौधरी, उप-महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के कुशल मार्ग-दर्शन एवं संस्थान के वैज्ञानिकों की मेहनत का परिणाम बताया और उन्होंने इस उपलब्धि को वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को समर्पित करते हुये सभी को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं प्रेषित की।

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

फादर्स डे आज

सैफई में मुलायम कुनबा बेटी की शादी में एकजुट दिखा पेज 02 | कानपुर में बच्चों से भीख मंगवाने वाले गैंग सक्रिय पेज 10

रविवार, 20 जून 2021, कानपुर, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, झांसी-ललितपुर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 12, अंक 25, 16 पेज+4 पेज फुल्लत, मूल्य ₹ 3.00, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी, विक्रम संवत् 2078

कृषिवानिकी संस्थान को मिला उत्कृष्ट कृषि संस्थान पुरस्कार

झाँसी। चेन्नई स्थित पर्ल फाउंडेशन द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में झाँसी के केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान को वर्ष 2020 का देश का उत्कृष्ट कृषि संस्थान का पुरस्कार मिला है। पर्ल फाउंडेशन शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए एक नींव का कार्य करता है, जो मानव संसाधनों और युवा छात्रों को सक्रिय और रचनात्मक दृष्टि, दूसरों के लिए समझ और करूणा की भावना विकसित कर एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाता है। हर वर्ष यह फाउंडेशन कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानवता के विविध क्षेत्रों में उनके मेधावी योगदान के आधार पर विभिन्न व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित करता है। कृषिवानिकी संस्थान को यह पुरस्कार कार्यक्रम अध्यक्ष बी पगुलेंधी, न्यायमूर्ति मद्रास हाई कोर्ट के हाथों द्वारा ऑनलाइन कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम को प्रदान किया गया। संस्थान को इस उपलब्धि के साथ-साथ अन्य उपलब्धियां भी मिली है जिसमें संस्थान द्वारा संचालित अखिल भारतीय कृषिवानिकी समन्वित परियोजना को भी देश की उत्कृष्ट अखिल भारतीय कृषि समन्वित परियोजना का पुरस्कार मिला है और संस्थान से जुड़े झांसी के 2 किसान सुरेंद्र सिंह यादव और महेंद्र यादव तथा अखिल भारतीय कृषि समन्वित परियोजना समन्वय केन्द्र कट्टुपक्कम के किसान पी. गांधी को भी पुरस्कृत किया गया। गाँव लुधियायी के सुरेंद्र सिंह यादव को उत्कृष्ट जैविक खेती पुरस्कार मिला है। सुरेंद्र सिंह यादव कृषिवानिकी संस्थान से तकनीकी सहयोग लेकर अपने खेत पर पेड़ों के साथ-साथ जैविक खेती करना प्रारंभ किया और वर्तमान में श्री सुरेंद्र यादव चना, गेहूं, बेर, अमरूद, इत्यादि जैविक विधि से उत्पादन कर रहे हैं। वही गाँव परासाई के महेंद्र सिंह यादव को अभिनव कृषक पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार महेंद्र सिंह को अपने खेत पर वैज्ञानिक विधि से अमरूद और सागौन आधारित कृषि वानिकी पद्धति अपनाने के लिए दिया गया । पी. गांधी को कृषिवानिकी के माध्यम से विविध कृषि के लिए पुरस्कार मिला है। संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरुणाचलम ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के समय में कृषिवानिकी ही टिकाऊ उत्पादन दे सकती है और किसानों की आमदनी बढ़ा सकती है। इस हेतु कृषि वानिकी संस्थान निरंतर शोध कार्यों के माध्यम से किसानों की आमदनी बढ़ाने हेतु प्रयास कर रहा है।